www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 91 | जौनपुर, बुधवार, 18 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सरोजनीनगर में 21 दिसंबर से कथा सुनाएंगे बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर दिसंबर में भक्ति और आस्था के रंग में रंगने जा रही है। यहां पांच दिनों तक बालाजी की महिमा और प्रभु श्रीराम की भक्ति की धारा बहेगी। डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 21 से 25 दिसंबर तक श्रीहनुमंत कथा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ध ीरेंद्र कृष्ण शास्त्री श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे। प्रतिदिन दोपहर दो बजे से कथा शुरू होगी। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह और हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए खास होगा। कथा में हनुमान जी के जीवन प्रसंगों के जरिए भक्ति, सेवा, साहस और समर्पण का संदेश दिया जाएगा। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है कि हनुमान जी का जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, विनम्रता और दृढ़ संकल्प की सीख देता है। आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को आध्यात्मिक आयोजनों से जोड़ना है। खासकर बुजुर्गों को अब कथा सुनने के लिए दूर बागेश्वर धाम नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें अपने ही क्षेत्र में संत का सान्निध्य और कथा श्रवण का अवसर मिलेगा।

सीट बंटवारे से पहले 'मंगल अभियान' के जरिए चुनावी जमीन परखेगी कांग्रेस

लखनऊ, (संवाददाता)। विध ानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे की बातचीत से पहले कांग्रेस अपनी चुनावी जमीन परखने में जुट गई है। पार्टी गठबंधन में सीटों पर दावेदारी तय करने से पहले प्रदेश के राजनीतिक माहौल, संगठन की सक्रियता और विधानसभा क्षेत्रों में अपनी स्थिति का आकलन करेगी। इसके लिए प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम व अध्यक्ष आराधना मिश्रा श्मोनाश्र बुधवार से मंडलवार बैठकों का सिलसिला शुरू करेंगी। इन बैठकों में वह पार्टी नेताओं, पदाधि ाकारियों, कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों से संवाद कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेंगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर घोषणा पत्र के लिए क्या मुद्दे हो सकते हैं इसकी जानकारी भी हासिल करेंगे। झांसी में होने वाली बैठक के बाद 20 नवंबर को सहारनपुर, 22 नवंबर को आगरा और दो दिसंबर को अयोध्या मंडल में बैठक प्रस्तावित है। अयोध या दो दिसंबर को प्रदेश अध्यक्ष जाएंगी। राम मंदिर पहुंचकर श्रीराम मंदिर जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन करेंगी। प्रदेश कांग्रेस ने दिसंबर तक सभी मंडलों में बैठकों का अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इन बैठकों के जरिए पार्टी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र मेंअपनी ताकत, संगठन की स्थिति और संभावित दावेदारों के बारे में जानकारी जुटाएगी। दरअसल, मंगलवार को दिल्ली में समाजवादी पार्टी के साथ प्रस्तावित बैठक अचानक स्थगित हो गई। दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर होने वाली अगली बातचीत से पहले कांग्रेस नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं को ठोस रणनीति बनाने और प्रत्येक विध ानसभा सीट के राजनीतिक समीकरणों पर नए सिरे से मंथन करने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- अर्थव्यवस्था मजबूत, तेजी से बढ़ रहा पूंजीगत बाजार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद वैश्विक वित्तीय जगत के एक बड़े आयोजन 'वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंज्स' की 65वीं जनरल असेंबली और एनुअल मीटिंग की मेजबानी कर रहा है। 17 से 19 नवंबर, 2026 तक मुंबई में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (छैम्) द्वारा आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन पर प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष संदेश जारी किया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और इसके साथ ही देश का पूंजीगत बाजार (कैपिटल मार्केट) भी अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा



है। आयोजक एनएसई और डब्ल्यूएफई को बधाई देते हुए प्रध ानमंत्री मोदी ने अपने लिखित संदेश में कहा कि पूंजी बाजार के विस्तार से कंपनियों को पूंजी जुटाने और अपने कारोबार को बढ़ाने के नए अवसर मिले हैं। उन्होंने म्यूचुअल फंड्स के जरिए हो रहे रिकॉर्ड निवेश पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज बड़ी संख्या में आम नागरिक बाजार से जुड़ रहे हैं, जिससे वे सीध ो तौर पर देश की विकास यात्रा के भागीदार बन रहे हैं। पिछले एक दशक में हुए सुधारों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि बैंकिंग, बीमा और डिजिटल सेवाओं के विस्तार ने लाखों लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वित्तीय जगत में आ रहे तकनीकी बदलावों पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकें बाजारों के काम करने के तरीके को तेजी से बदल रही हैं। हालांकि, इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, बाजार की निष्पक्षता और निवेशकों की सुरक्षा जैसी नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि तकनीक यह तो तय कर सकती है कि बाजार कितनी तेजी से आगे बढ़ेंगे, लेकिन इस पूरे वित्तीय तंत्र के विकास में 'भरोसा' ही हमेशा सबसे महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा।

भारत–इटली आर्थिक साझेदारी को मजबूती देने के लिए पीयूष गोयल की दो दिवसीय यात्रा

इटली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 17 और 18 नवंबर 2026 को इटली की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत–इटली आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना है। इसमें द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने, औद्योगिक एवं तकनीकी सहयोग गहरा करने और कारोबारियों तथा स्टार्टअप के बीच संबंधों को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा। भारत और इटली के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनस्तरीय संबंधों पर आधारित पुरानी साझेदारी है, जो अब राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक सहयोग के व्यापक दायरे में विकसित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिली है। इसी क्रम में 19–20 मई 2026 को प्रधानमंत्री की इटली यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। दोनों देश भारत–इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025–29 को लागू कर रहे हैं। साथ ही,



उन्होंने 2029 तक सालाना द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 20 बिलियन यूरो करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अपनी यात्रा के दौरान पीयूष गोयल इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह आर्थिक सहयोग के लिए भारत–इटली संयुक्त आयोग (जेसीईसी) के 23वें सत्र की सह–अध्यक्षता करने के साथ भारत–इटली व्यापार एवं नवाचार मंच में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री इटली की प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे ।

आतंकी लतीफ भट को ढेर किए जाने पर गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों की तारीफ की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान कुलगाम में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादी लतीफ भट को मार गिराए जाने पर गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताई है। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा बलों की तारीफ की है। अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, "जम्मू–कश्मीर पुलिस (जेकेपी), भारतीय सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के आपसी तालमेल से चलाए गए एक ऑपरेशन में आज तड़के कुलगाम में लश्कर के घाटी में मौजूद आखिरी सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट को मार



गिराया गया। एक दिन पहले कुलगाम में ही उसके एक साथी आतंकवादी, उमर निसार को भी मार गिराया गया था। इस पूरे ऑपरेशन में बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। देश जम्मू–कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करता है।" जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बताया कि संयुक्त अभियान के दौरान मारे गए इस आतंकवादी की पहचान कुलगाम के खेरवान निवासी मोहम्मद लतीफ भट के रूप में हुई है। मारा गया लतीफ भट लश्कर–ए–तैयबा का कमांडर बताया जा रहा है। भट 11 नवंबर को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक चौकी पर हुए हमले के सिलसिले में वांछित था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी ने दक्षिण कश्मीर के देवसर इलाके के जांगलपोरा गांव में एक मस्जिद में शरण ले रखी थी और उसने सेना एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कई बार की गई अपील के बावजूद आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने बताया, ''भट मारा गया है और मुठभेड़ स्थल से उसका शव तथा एक हथियार बरामद किया गया है।

जापानी नौसैनिक अड्डे और युद्धपोत का दौरा, दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच दिखी गहरी गर्मजोशी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जापान की यात्रा पर हैं। बुधवार को उन्होंने जापानी रक्षा मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ विमान में सफर किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विमान से अपनी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। उन्होंने जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) के योकोसुका स्थित नौसैनिक अड्डे का दौरा करने की जानकारी दी। राजनाथ सिंह यहां जापान के मोगामी श्रेणी के युद्धपोत का दौरा भी कर रहे हैं।इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोइजुमीह के टोक्यो स्थित रक्षा मंत्रालय पहुंचे।



यहां पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह ने अपने जापानी समकक्ष की मेजबानी की भी तारीफ की। राजनाथ सिंह ने कहा, ष्मेरे जापानी समकक्ष एक बेहतरीन मेजबान की भूमिका निभा रहे हैं।ष राजनाथ सिंह 18 और 19 नवंबर को जापान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान वह भारत–जापान विदेश और रक्षा मंत्रियों की चौथी 2 प्लस 2 वार्ता में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। दोनों नेताओं की बैठक में समुद्री सुरक्षा सहयोग समेत रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।इससे पहले जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने भी राजनाथ सिंह की यात्रा को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा था कि वह भारत के रक्षा मंत्री का जापान में स्वागत करने और उनके साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। कोइजुमी के मुताबिक, पिछले चार महीनों में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की यह तीसरी मुलाकात होगी।इससे पहले अगस्त में भारत और अक्टूबर में फिलीपींस में दोनों नेताओं की मुलाकात हो चुकी है। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच 2 प्लस 2 वार्ता भी हो रही है।

भारत में मलेरिया के मामलों और मौतों में 10 साल में 80 प्रतिशत की गिरावट - राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर –एनआईएमआर) के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में 2015 से 2025 के बीच मलेरिया के मामलों और इससे होने वाली मौतों में करीब 80: की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों को गति देने के लिए निरंतर सतर्कता, प्रभावी निगरानी और सामुदायिक भागीदारी को जरूरी बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ हर उस गांव और समुदाय तक पहुंचना चाहिए, जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मलेरिया नियंत्रण



के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि मलेरिया से अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 155 से घटकर 33 रह गई है। वहीं, 2022 से 2025 के दौरान 160 जिलों में मलेरिया का एक भी स्थानीय मामला सामने नहीं आया। उन्होंने 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट (एचबीएचआई) पहल से भारत के बाहर होने को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों को दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन के लिए जांच, उपचार और निगरानी व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। इसके साथ ही मच्छरों पर नियंत्रण, नई दवाओं और टीकों के विकास तथा जन जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने निर्धारित दवाओं का पूरा कोर्स लेने के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता भी बताई, ताकि बीमारी का प्रभावी उपचार हो सके और संक्रमण दोबारा होने का खतरा कम किया जा सके। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन, अनियोजित शहरीकरण और मच्छरों में बढ़ते कीटनाशक प्रतिरोध को मलेरिया नियंत्रण के सामने उभरती चुनौतियां बताया। उन्होंने जलभराव रोकने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करने और पर्यावरण प्रबंधन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जीरो टॉलरेंस केवल माफिया के लिए नहीं, हर उस गुंडे के लिए है जो सिस्टम का दुश्मन है – सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीरो टॉलरेंस केवल माफिया के लिए नहीं, हर उस गुंडे के लिए है जो इस सिस्टम का दुश्मन है और उसके खिलाफ उसी प्रकार की कार्रवाई भी की जाएगी। एक निजी चौनल का कार्यक्रम ष्राइजिंग भारत समिटष में प्रदेश की कानून–व्यवस्था, निवेश और आर्थिक विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के बिना न आर्थिक विकास संभव है, न ग्लोबल स्टैंडर्ड का इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा सकता है और न ही युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। कर्फ्यू और दंगों के माहौल में कोई निवेश नहीं करेगा। विकास के लिए सुरक्षित वातावरण और मजबूत इकोसिस्टम पहली आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 में प्रदेश में पुलिस के डेढ़ लाख पद खाली थे और भर्ती प्रक्रिया न्यायालय में लंबित थी। सरकार ने पूरी भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किया और न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप नई व्यवस्था बनाकर



भर्तियां शुरू कीं। पिछले दस वर्षों में सेवानिवृत्त कार्मिकों के स्थान पर नियुक्तियों और नए पदों के सृजन सहित अब तक 2.30 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती अंतिम चरण में है और उनके सत्यापन की कार्रवाई चल रही है। जल्द ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। सीएम योगी ने बताया कि पहले प्रदेश में एक साथ केवल छह हजार पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने की क्षमता थी। अन्य राज्यों, केंद्र सरकार, पैरामिलिट्री और सैन्य प्रशिक्षण केंद्रों की मदद से शुरुआती भर्तियां पूरी की गईं। आज उत्तर प्रदेश की अपनी प्रशिक्षण क्षमता बढ़कर 60 हजार पुलिसकर्मियों की हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी थीं,।

हम बाल ठाकरे की विरासत को बढ़ा रहे हैं आगे, मुंबई में बालासाहेब को श्रद्धांजलि देने के बाद बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की 14वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी दिवंगत नेता की हिंदुत्व की विरासत और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ा रही है। सत्ताधारी



शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, उनके चचेरे भाई राज ठाकरे सहित कई अन्य नेताओं ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्धव ठाकरे ने अपनी पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य के साथ मध य मुंबई स्थित बाल ठाकरे के स्मारक पर जाकर उन्हें नमन किया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे भी अपने चाचा को श्रद्धांजलि देने के लिए स्मारक पहुंचे। मुंबई की मेयर और भाजपा की नगरसेवक ऋतु तावड़े ने दादर के शिवाजी पार्क स्थित स्मारक पर जाकर बाल ठाकरे को श्रद्धांजलि दी। विशाल शिवाजी पार्क में श्रद्धांजलि संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए थे। इसी स्थान पर 2012 में बाल ठाकरे के निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया था।

14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा के चलते अब रात 11 बजे तक होंगे रामलला के दर्शन

18 से 22 नवंबर तक बदली रहेगी दर्शन व्यवस्था, श्रद्धालुओं को मिलेगी एक घंटे की अतिरिक्त सुविधा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला के दर्शन की समय–सारिणी में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के तहत 18 से 22 नवंबर तक श्रद्धालु रात 11 बजे तक रामलला के दर्शन कर सकेंगे।इससे पहले रात 8:45 बजे मुख्य द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश बंद कर दिया जाता था। नई व्यवस्था के अनुसार रात 8:45 बजे भोग और सायंकालीन आरती के लिए दर्शन रोक दिए जाएंगे।आरती के बाद रात 9:30



बजे पुनः दर्शन के लिए प्रवेश शुरू होगा,जो रात 11 बजे तक जारी रहेगा।इस प्रकार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए एक घंटे की अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र (सेवानिवृत्त) ने नई व्यवस्था की जानकारी प्रमुख पदाधिकारियों और एसपी सुरक्षा को दी है।परिक्रमा में शामिल होने वाले हजारों श्रद्धालुओं के रामलला के दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।मालूम हो कि 14 कोसी परिक्रमा 17– 18 नवंबर की मध्यरात्रि 1:20 बजे शुरू होकर 20 नवंबर की सुबह 2:55 बजे संपन्न होंगी। ट्रस्ट का उद्देश्य परिक्रमार्थियों को सुगम और सुलभ दर्शन उपलब्ध कराना है।

संपादकीय

शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चौंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है। दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा–स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म–विश्वास दिया। अब आत्म–विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चौंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतजदा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चौंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

दुनिया में अशांति फैलाने वाले ट्रंप-पुतिन करेंगे शांति की बात



नीरज

दुनिया में वैसे तो तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन अब दुनिया की तीन सबसे बड़ी शक्तियां खुद एक ऐसा कदम उठाने जा रही हैं, जिसे इस दौर का सबसे बड़ा विरोधाभास कहा जा सकता है। दुनिया को युद्ध, तनाव और टकराव की आग में झोंकने वाली ये तीनों ताकतें अब एक मंच पर बैठकर शांति और वैश्विक स्थिरता पर चर्चा करने जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस प्रस्तावित मुलाकात को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता है। उत्सुकता इसलिए है क्योंकि ट्रंप लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां दे रहे हैं, पुतिन लगभग पांच साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हैं और जिनपिंग ताइवान से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपनी सैन्य और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब यही तीनों नेता दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने के लिए एक साथ बैठेंगे। ऐसे में सवाल सिर्फ इस बैठक के एजेंडे का नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे उन सामरिक और रणनीतिक उद्देश्यों का भी है, जिनका असर आने वाले समय में पूरी दुनिया की राजनीति पर पड़ सकता है। देखा जाये तो हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। ईरान के साथ सैन्य टकराव, अमेरिकी हमले और तेहरान के जवाबी पलटवार ने पूरे मध्य पूर्व को बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया। इस संघर्ष ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों की जान ली, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर भी महंगाई का बोझ बढ़ाया। ईरान को लेकर ट्रंप का लगातार बदलता रुख कभी सैन्य धमकियों, कभी अधिकतम दबाव और कभी बातचीत की पेशकश के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शेनझेन में होने वाली बैठक ट्रंप की वास्तविक शांति पहल है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के मुखिया के रूप में अपना दबदबा स्थापित करने का एक और मंच है? दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन हैं। यूक्रेन के साथ रूस का युद्ध लगभग पांच साल पूरे करने की तरफ बढ़ रहा है। अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है, कई शहर तबाह हुए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था दशकों के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। जिस युद्ध को रूस ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों का सवाल बताकर शुरू किया था, वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि पुतिन शांति की बातचीत में क्या प्रस्ताव लेकर पहुंचेंगे? क्या वह युद्ध समाप्त करने का रास्ता तलाशेंगे या अपनी सैन्य कार्रवाई से हासिल किए गए क्षेत्रीय और राजनीतिक लाभ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे? पुतिन के लिए इस बैठक का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति के साथ एक ही मंच पर बैठना रूस की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नई वैधता और प्रतिष्ठा दे सकता है। देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की ओर से रूस को अलग–थलग करने की कोशिशों के बीच यह तस्वीर मॉस्को के लिए अपने आप में बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी। कथित शांति की चाह रखने वाले तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। देखा जाये तो चीन एक तरफ खुद को वैश्विक शांति और सहयोग का समर्थक बताता है, दूसरी तरफ ताइवान को लेकर उसकी सैन्य और राजनीतिक धमकियां लगातार क्षेत्रीय तनाव बढ़ाती हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी गतिविधियां फिलीपींस, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। समुद्री क्षेत्रों पर दावेदारी, सैन्य ठिकानों का विस्तार और क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिशें चीन की महत्वाकांक्षाओं को उजागर करती हैं। सवाल है कि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में दबाव की राजनीति करने वाले जिनपिंग शेनझेन में किस तरह की शांति व्यवस्था की बात करेंगे? क्या चीन अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता करने के लिए तैयार है? देखा जाये तो इस बैठक के मायने केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, वैश्विक सैन्य वर्चस्व, आर्थिक हित और नई विश्व व्यवस्था की लड़ाई भी छिपी है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। रूस के साथ अमेरिका की पुरानी परमाणु हथियार नियंत्रण व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और वाशिंगटन अब बीजिंग को भी इस व्यवस्था का हिस्सा बनाना चाहता है। लेकिन चीन के परमाणु हथियारों का भंडार अमेरिका और रूस की तुलना में काफी छोटा है। ऐसे में जिनपिंग क्यों ऐसी बातचीत में शामिल होंगे जिसमें उनकी सामरिक बढ़त के बजाय उनकी शक्ति को सीमित करने पर चर्चा हो? देखा जाये तो पुतिन के लिए यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के साथ सीधे संवाद का रास्ता महत्वपूर्ण है, जबकि जिनपिंग के लिए यह साबित करने का अवसर है कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच किसी भी नए वैश्विक समीकरण में चीन की भूमिका निर्णायक होगी। वहीं ट्रंप के लिए यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव दिखाने का मौका है। साथ ही इस बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया की व्यवस्था अब तीन महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगी? क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें? बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं। शांति की मेज पर आमने–सामने बैठने जा रहे इन तीनों नेताओं की असली परीक्षा इस बात से होगी कि वे अपनी सामरिक महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक वर्चस्व की होड़ से कितना पीछे हटने को तैयार हैं। क्या ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग दुनिया को शांति का नया रास्ता दिखा पाएंगे या उनकी यह मुलाकात भी महज कूटनीतिक शक्ति प्रदर्शन बनकर रह जाएगी? अंत में एक बार फिर से वही सवाल उठता है कि जो नेता अपने–अपने मोर्चों पर तनाव और टकराव की राजनीति कर रहे हैं, क्या वे वास्तव में दुनिया को अशांति से बाहर निकालने का इरादा रखते हैं?

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा

ललित

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है–क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों–खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण–संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन–दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'–स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव–व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है–किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव–जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग–घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है। वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल 'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव–विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है–'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव–विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है। इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चौंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक



सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है–केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे–छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है। अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु–कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु–अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव–सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण–आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है।

भारत की प्रमुख कौशल विकास योजना को कैग ने दिया अकुशलता का प्रमाण पत्र

रमेश

जुलाई 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद पेश किए गए पहले बजट में कौशल विकास को एक प्रमुख केंद्र–बिंदु माना गया था और स्किल इंडिया कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। सरकार का तर्क यह था कि भारतीय श्रम बल, विशेषकर युवाओं, में उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल की कमी है और यही कारण है कि लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद, रोजगार–आकांक्षी उम्मीदवारों के कौशल को सुधारने के लिए कई योजनाएं घोषित की गईं। जुलाई 2015 में, सरकार ने बड़े धूमधाम से एक प्रमुख कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से उद्योग–प्रासंगिक प्रशिक्षण देना और पहले से अर्जित कौशल को पूर्व–प्रशिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से प्रमाणित करना था। वर्ष 2015 से 2022 के दौरान केंद्र सरकार ने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, के तहत 10,194 करोड़ रूपये जारी किए। इसके पहले तीन चरणों में, यह जानकारी दी गई कि 1.37 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित किया गया और 1.10 करोड़ लोगों को प्रमाणित किया गया। लिखित रूप में यह 1.32 करोड़ के अपने लक्ष्य के करीब था। 2016 से, इस योजना को मुख्य रूप से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से लागू किया गया, जिसे 75 प्रतिशत राशि दी गई, जबकि 25 प्रतिशत राशि राज्य कौशल मिशनों को दी गई। हाल ही में, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने इस योजना का एक लेखा परीक्षा निष्पादित किया है, जिसे वर्ष 2025 की रिपोर्ट संख्या 20 के रूप में पटल पर रखा गया, जो यह दिखाता है कि इन आंकड़ों के पीछे का रिकॉर्ड कितना लचर है। समग्र स्थिति एक ऐसे कार्यक्रम की है, जो प्रमाण पत्र तैयार करने में बहुत माहिर हो गया है, लेकिन इससे कितना कौशल पैदा हुआ या नौकरियां मिलीं, यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं होता। इस लेखा परीक्षा में मंत्रालय, एनएसडीसी और आठ राज्य के साथ 90 प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण शामिल था। रिपोर्ट का पहला मुख्य निष्कर्ष यह है कि इस योजना की कोई रणनीति नहीं थी। मंत्रिमंडल को 2015 में बताया गया था कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एक निरंतर चलने वाली योजना होगी, जिसके लक्ष्य कौशल में कमी के अध्ययन पर आधारित होंगे। फिर भी मंत्रालय ने कोई दीर्घकालिक योजना तैयार नहीं की, और 2020 में राष्ट्रीय कौशल विकास योजना में जो वादा किया गया था, उसे कभी पूरा ही नहीं किया गया। अंकेक्षित आठ राज्यों में से केवल दो के पास ही राज्य–स्तरीय योजनाएं थीं। परिणामस्वरूप, प्रशिक्षण के प्रयास वास्तविक जरूरतों से भटक गए। कौशल विकास और उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति (2015) के अनुसार, नई कौशल मांग का 60 प्रतिशत से अधिक पांच क्षेत्रों में था रू निर्माण, रसद, सौंदर्य और कल्याण, फर्नीचर और पर्यटन। लेकिन इन क्षेत्रों को पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण का केवल 22.7 प्रतिशत प्राप्त हुआ। अकेले निर्माण क्षेत्र में मांग कुल अनुमानित मांग का 28 प्रतिशत थी, लेकिन उसे लगभग तीन प्रतिशत प्रमाणन ही मिले। इस दौरान, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और खुदरा क्षेत्र की अनुमानित आवश्यकता दस प्रतिशत से भी कम थी, लेकिन इसकी तुलना में इसने 40 प्रतिशत से अधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभिन्न क्षेत्रों में, प्रयास केवल एक ही नौकरी की भूमिका पर केंद्रित थे। दस में से नौ ग्रीन रोजगार प्रमाण पत्र सफाई कर्मचारियों के लिए थे, और दो–तिहाई प्रबंधन प्रमाण पत्र बिना हथियार वाले सुरक्षा गार्डों के लिए थे। जुलाई 2022 में मंत्रालय ने स्वयं एनएसडीसी को बताया कि बाजार की मांग का आकलन किए बिना नौकरी की भूमिकाएं चुनना रोजगार के खराब रिकॉर्ड का मुख्य कारण था। किसको प्रशिक्षण मिला? इस योजना को उन बेरोजगार युवाओं और बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले लोगों तक पहुंचना था, जो प्रत्येक पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु और योग्यता को पूरा करते थे। व्यवहार में, प्रशिक्षण की नामांकन प्रणाली ने दोनों में से किसी की भी जांच नहीं की। कैग ने पाया कि 6.54 लाख ऐसे उम्मीदवार थे, जो अपने पद के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु से कम थे। इनमें 18 वर्ष से कम आयु के 1,142 ऐसे व्यक्ति शामिल थे, जिन्हें ड्राइवर और शॉफर के पदों के लिए प्रमाणित किया गया था, जिसके लिए कानूनी रूप से लाइसेंस की आवश्यकता होती है। आठ लाख से अधिक उम्मीदवारों के पास अपने पदों के लिए आवश्यक न्यूनतम शिक्षा नहीं थी। पहले से ही तकनीकी योग्यताओं की आवश्यकता वाले पदों के लिए, प्रमाणित लोगों में से 85 प्रतिशत के पास वे योग्यताएँ नहीं थीं। न ही पंजीकरण प्रणाली यह दर्ज कर पाई कि कोई उम्मीदवार बेरोजगार था या पढ़ाई छोड़ चुका था, इसलिए यह जाँचने का कोई उपाय नहीं था कि यह योजना अपने लक्षित समूह तक पहुँची या नहीं।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है। वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को "बीमारु" राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी। वर्ष 2000–01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034–24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है। वर्ष 2024–25 के प्रति व्यक्ति आय (ळैक्) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके। उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को "बीमारु" राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है। हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं। हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े। आज

पूर्वांचल युवा महोत्सव कलाकारों ने बिखेरा जलवा

जौनपुर। नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि पूर्वांचल युवा महोत्सव का आयोजन युवा कलाकारों के लिए भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा।और युवा कलाकारों को ऐसे महोत्सव से उनके अंदर प्रतिस्पध र्ा की भावना जागृत होगी। और उन्हें अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। नगर के बीआरपी कालेज के मैदान में तीन दिवसीय पूर्वांचल युवा महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करने के बाद बतौर वह मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से आये हुए कलाकारों ने अपने कला का प्रदर्शन किया। जहां गायकों ने अपने गीतों से वही महिला कलाकारों ने अपने नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागी कलाकारों को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार देकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पीहू खरे ने गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। भोजपुरी कलाकार जितेंद्र झा ने भी अपने चीर परिचित अंदाज में अपने गीतों से समा बांध दिया। कार्यक्रम के संयोजक व महोत्सव के अध्यक्ष डॉ दिनेश तिवारी ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर समर बहादुर सिंह,विनोद सिंह, दीपक श्रीवास्तव, पवन गुप्ता पिंटू, संतोष सिंह,संजय सिंह,अजय दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

पारिवारिक मिलन में उमड़ा जनसैलाब

जौनपुरं। पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह के जनसंपर्क अभियान की शुरुआत सरकोनी ब्लॉक में आयोजित भव्य पारिवारिक मिलन सम्मेलन के माध्यम से हुई। ब्लॉक प्रमुख वंशराज सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोगों, कार्यकर्ताओं और युवाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। सम्मेलन में उमड़ी भीड़ ने डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह के प्रति लोगों के आत्मीय जुड़ाव और विश्वास की झलक प्रस्तुत की। डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों, वर्ष 2006 से शुरू हुई अपनी राजनीतिक यात्रा और संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने और कार्यकर्ताओं के साथ पारिवारिक संबंध निभाने का संकल्प है।उन्होंने कहा कि जब वे विधायक थे, तब भी लोगों के फोन उठाते थे और विधायक नहीं रहने के दौरान भी उन्होंने इस परंपरा को कायम रखा। यदि कभी किसी कारणवश फोन नहीं उठा पाए तो वापस कॉल करके लोगों से संवाद किया। आज भी उनका यही प्रयास रहता है कि उनसे संपर्क करने वाले किसी व्यक्ति को निराश न होना पड़े। उन्होंने युवाओं और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए आगामी 2027 के राजनीतिक लक्ष्य के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस मौके पर पूर्व प्रमुख आशुतोष सिंह, हर्षित सिंह, विशाल मिश्रा सहित हजारों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

सड़क पर दम तोड़ रहे बेजुबान वन्यजीव

जौनपुर। मछलीशहर–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार वाहन अब बेजुबान वन्यजीवों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। मछलीशहर से जंघई के बीच करीब 21 किलोमीटर के सफर में सड़क पर जगह–जगह जंगली जानवरों के मृत शरीर दिखाई देना आम होता जा रहा है। चमचमाती सड़क पर तेज गति से दौड़ते वाहनों की चपेट में आकर बेजुबान वन्यजीव अपनी जान गंवा रहे हैं, लेकिन इनकी मौतों का न तो कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड है और न ही इनकी सुरक्षा को लेकर कोई ठोस पहल नजर आती है।इस मार्ग पर तिलौरा और बामी के जंगलों के साथ बसुही नदी के किनारे का क्षेत्र वन्यजीवों की आवाजाही के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इन इलाकों में खरगोश, लोमड़ी, सियार, साही, नीलगाय और जंगली सूअर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं। कभी–कभार भेड़िया भी दिखाई देने की बात कही जाती है। इनमें सबसे अधिक खरगोश, लोमड़ी और सियार सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं।रात के अंधेरे में वाहनों की तेज रोशनी देखकर वन्यजीव अक्सर घबरा जाते हैं और उन्हें सुरक्षित दिशा में जाने का मौका तक नहीं मिल पाता। वाहन चालकों की तेज रफ्तार और अचानक सामने आ जाने वाले इन जीवों के कारण टक्कर हो जाती है। कुछ ही पलों में उनकी जिंदगी खत्म हो जाती है। इसके साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पालतू पशुओं के गले में रिफ्लेक्टर लगे पट्टे पहनाने के प्रति भी जागरूकता बढ़ाई जा सकती है।

परिजनों को मारपीट कर कमरे पर कब्जे का आरोप

जौनपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के वाजिदपुर उत्तरी मोहल्ले में पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। मोहल्ला निवासी साधना मौर्य पत्नी असीम कुमार प्रकाश बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं और अपने सास, ससुर तथा देवर पर मारपीट, गाली–गलौज, जान से मारने की धमकी देने और कमरे पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई।जिलाधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में साधना मौर्य ने आरोप लगाया कि 27 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे उनके ससुर ओम प्रकाश मौर्य, सास ललिता देवी और देवर अवनीश कुमार ने दो पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उनके साथ गाली–गलौज और मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। उनके कमरे में ताला लगाकर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई।पीड़िता के मुताबिक, घटना की सूचना डायल 112 पर पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद वह शहर कोतवाली भी पहुंचीं, लेकिन उनका आरोप है कि वहां भी उनकी शिकायत नहीं सुनी गई और न ही प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। साधना मौर्य का कहना है कि उनके पति रोजी–रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। ऐसे में उन्हें घर पर अकेले ही इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक उनके साथ तीन–चार बार मारपीट की जा चुकी है।

किसान नई तकनीकियों से खेती कर समृद्धि लाए

जौनपुर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के किसानों को कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाकर क्लस्टर के रूप में खेती करने का सुझाव दिया तथा अवगत कराया कि कृषि से बड़ा कोई उद्योग नहीं है, अनुदान पर ग्रीन हाउस बनाकर बड़े स्तर पर शिमला मिर्च, टमाटर, फूलों की खेती से अमूल चूल परिवर्तन लाया जा सकता है, उन्होंने अवगत कराया कि कलेक्टिव होकर एक फसल की खेती करे तभी मार्केट मिलता है लागत कम और मुनाफा ज्यादा मिलता है। कृषि के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं है। जिलाधिकारी ने कहा पारंपरिक खेती के साथ–साथ केला, मशरूम एवं ड्रैगन फ्रूट, मशरूम की खेती अपनाने से आय में वृद्धि होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में किसानों द्वारा उठाई गई ।

गर्लफ्रेंड की शादी की शर्त से परेशान युवक ने गोमती नदी में लगाई थी छलांग, तीसरे दिन मिला शव

दोस्त को वीडियो कॉल कर नदी में कूदने की दी थी सूचना, भाई का आरोप– प्रेमिका ने शादी के लिए 50 हजार रुपये कमाने की रखी थी शर्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में गोमती नदी में छलांग लगाने वाले 20 वर्षीय सुंदरम मौर्य का शव बुधवार सुबह तीसरे दिन बरामद हुआ। जफराबाद थाना क्षेत्र के बसीरपुर गांव के पास नदी किनारे सुबह करीब 7:30 बजे शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। सोमवार सुबह से ही पुलिस और गोताखोरों की टीम युवक की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव निवासी रहित मौर्य के तीन बेटों और एक बेटी में सुंदरम सबसे छोटा था। वह बीए तृतीय वर्ष का छात्र था। रविवार रात करीब नौ बजे वह घर से निकला था। रात करीब 11 बजे वह शहर के शाही पुल पर पहुंचा। वहां से उसने अपने दोस्त प्रवीण मौर्य को वीडियो कॉल की और कहा कि वह गोमती नदी में कूदने जा रहा है। दोस्त को घरवालों को सूचना देने की बात कहकर उसने फोन काट दिया। सूचना मिलते ही परिजन शाही पुल पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी। मृतक के पिता रहित मौर्य ने बताया कि सुंदरम का एक युवती से करीब एक साल से प्रेम संबंध ा था। उनका आरोप है कि युवती उस पर कमाने के लिए दबाव बनाती थी और उसे प्रताड़ित करती थी। वहीं, मृतक के भाई शिवम मौर्य ने आरोप लगाया कि नैना नाम की युवती ने सुंदरम से कहा था कि यदि उससे शादी करनी है तो 50 हजार रुपये कमाकर दिखाने होंगे। भाई के मुताबिक, सुंदरम कई दिनों से काम दिलाने के लिए उनसे और पिता से आग्रह कर रहा था। वह लगातार रोजगार की तलाश में था। बुध वार सुबह शव मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

दो बाइकों की भिड़ंत के बाद ट्रेलर की चपेट में आए दो युवक, मौके पर मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव





जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में चंदवक थाना क्षेत्र के खुज्झी गांव के पास मंगलवार देर रात दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर के बाद ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान थून्ही गांव निवासी चंदन मौर्य (22) पुत्र राजकुमार और सोनू मौर्य (24) पुत्र जयकिशन के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक मुंबई में रहकर नौकरी करते थे और छठ पूजा पर घर आए थे। मंगलवार रात किसी काम से चंदवक बाजार गए थे। वहां से बाइक से अपने गांव थून्ही लौट रहे थे। खुज्झी गांव के पास दो बाइकों के बीच आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ट्रेलर की चपेट में आने से दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। क्षेत्राधिकारी केराकत गिरेंद्र कुमार ने बुधवार सुबह बताया कि ट्रेलर की चपेट में आने से हादसा हुआ है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

वुशु प्रतियोगिता में मोहम्मद हसन कॉलेज अव्वल

अंतर महाविद्यालयीय वुशु प्रतियोगिता में मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज का शानदार प्रदर्शन, प्रथम स्थान पर जमाया कब्जा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालयीय महिला एवं पुरुष वुशु प्रतियोगिता का आयोजन 18 नवंबर 2026 को मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के कुल आठ महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया और खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, सतगुरु पीजी कॉलेज, शिव गोविंद पीजी कॉलेज, राजा कॉलेज सहित अन्य महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बाद मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सतगुरु पीजी कॉलेज ने द्वितीय तथा शिव गोविंद पीजी कॉलेज ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में मेजबान महाविद्यालय की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर राहुल पटेल, पवित्रक, सचिव डॉ. शाहनवाज, डॉ. विवेक विक्रम सिंह, कोच किरमानी एवं राजन पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में स्कॉर्पियो से कुचलकर दो लोगों की मौत, सात घायल

गौराबादशाहपुर के चक मुफ्तफाबाद में वारदात, डीएम ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चक मुफ्तफाबाद में जमीन विवाद को लेकर बुधवार को हिंसक घटना हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से कुचल दिया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान अमित यादव (20) पुत्र श्रवण यादव और इंदु देवी (40) पत्नी मनोज यादव के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में निलेश यादव (24), राजनाथ यादव (65), राजकुमार (45), साहबलाल (22), मनोज यादव (45), शांति यादव (20) और किशन यादव (16) शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से स्कॉर्पियो से दूसरे पक्ष के लोगों को कुचलने का आरोप है। वाहन की चपेट में आने से कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायलों के बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना में दो लोगों की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव सहित आसपास के क्षेत्र में तनाव और दहशत का माहौल है। पुलिस जमीन विवाद की वजह और स्कॉर्पियो से कुचलने के आरोपों की जांच कर रही है। घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा जीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज को लखनऊ जोन के स्पोर्ट्स फेस्ट् की मेजबानी सौंपी गई



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जी०आई०टी०एम इंजीनियरिंग कॉलेज, लखनऊ में दिनांक 20 एवं 21 नवंबर, 2026 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्पोर्ट्स फेस्ट् 2026–27 का आयोजन किया जा रहा है। इस खेल महोत्सव में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधि ाक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश से संबद्ध लगभग 49 से अधिक महाविद्यालयों के 2200 से अधिक छात्र–छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा जी०आई०टी०एम इंजीनियरिंग कॉलेज को लखनऊ जोन के आयोजन केंद्र के रूप में चयनित किया गया है। इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ. ऋषि अस्थाना ने संवाददाताओं को बताया कि इस स्पोर्ट्स फेस्ट के अंतर्गत एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो–खो, टेबल टेनिस एवं शतरंज सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में लखनऊ जोन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जिलों, जैसे लखनऊ, सीतापुर, कानपुर, उन्नाव, रायबरेली, झांसी, अम्बेडकरनगर आदि के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र–छात्राएं उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करेंगे।

जातीय जनगणना से मिलेगा आबादी के अनुपात में हक - अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। माजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर सामाजिक न्याय और आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नौकरियों में आरक्षण को कमजोर किया और लेटरल एंट्री के जरिए आरक्षण के अधिकार को प्रभावित किया। भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के मामलों को लेकर भी उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। सोमवार को नई दिल्ली में हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि देश में जातीय जनगणना की मांग लगातार उठ रही है। जातीय जनगणना होने से सामाजिक न्याय का दायरा बढ़ेगा और विभिन्न वर्गों को उनकी आबादी के अनुपात में अधिकार तथा सम्मान मिल सकेगा।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को शिक्षा, परीक्षा, विद्यार्थियों, किसानों और नौजवानों के मुद्दों पर घेरते हुए कहा कि सरकार युवाओं को नौकरी और रोजगार नहीं देना चाहती। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के दस साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार और लूट बढ़ी है। उनके मुताबिक, भाजपा अपने कामकाज पर उठ रहे सवालों से ध्यान हटाने के लिए समाजवादी पार्टी पर झूठे आरोप लगाती है। उन्होंने दावा किया कि अब जनता भाजपा पर भरोसा नहीं कर रही है।सपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि समाज योगियों और संतों से सच बोलने की अपेक्षा करता है। उनके अनुसार, सच्चा संत या योगी जनता को गुमराह करने के बजाय सत्य का मार्ग दिखाता है और साजिश या षड्यंत्र में शामिल नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सच नहीं बोलते और भाजपा के नेता लगातार जनता को गुमराह कर रहे हैं।



ओटीएस योजना की समयसीमा बढ़ी, अब 14 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले भवन स्वामियों और करदाताओं को राहत देते हुए सरकार ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की समयसीमा एक महीने बढ़ा दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि अब योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 14 दिसंबर 2026 और बकाया ध ानराशि जमा करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। इस फैसले से उन करदाताओं को भी योजना का लाभ उठाने का एक और मौका मिलेगा, जो पहले तय समयसीमा में आवेदन नहीं कर पाए थे।मंत्री ने बताया कि योजना के तहत नगर निगमों के गृहकर के साथ जलकल विभाग के बकाया जलकर, सीवरकर और जलमूल्य के मामलों में भी राहत दी जा रही है। एक अप्रैल 2026 तक के लंबित बकाये का निध ारित धनराशि के साथ भुगतान कर निस्तारण कराने पर नियमानुसार ब्याज और सरचार्ज में छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि भवन स्वामियों को पुराने कर बकाये के बोझ से राहत देना भी है। योजना के प्रति करदाताओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए इसकी अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।ए.के. शर्मा ने कहा कि सरकार नगरीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में ओटीएस के तहत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध यमों से आवेदन की सुविधा दी गई है। ऑनलाइन आवेदन के लिए संबंधि ात पोर्टल पर नगर निगम का चयन कर मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए लॉगिन करना होगा। इसके बाद संपत्ति का विवरण भरकर आवेदन किया जा सकता है। इससे भवन स्वामियों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी नगर विकास मंत्री ने सभी नगर निगमों और संबंधित अधिकारियों को योजना की बढ़ाई गई समयसीमा का व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा आवेदन और बकाया निस्तारण की प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को भी कहा, ताकि पात्र करदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।



14 कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं की सुविधा तथा सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

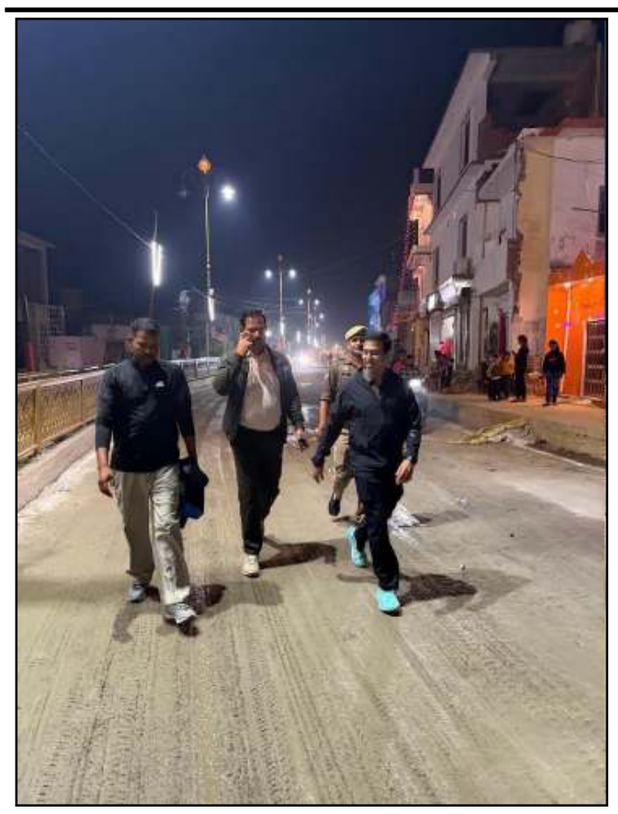
सरयू घाट से लता चौक तक एडीजी जोन लखनऊ सहित अन्य अधिकारियों ने संभाली कमान



अयोध्या।14 कोसी परिक्रमा में आए श्रद्धालुओं की सुविधा तथा सुरक्षा को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया।इस मौके पर एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार,डीएम शशांक त्रिपाठी,एसएसपी गौरव ग्रोवर और नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने सरयू घाट से लेकर लता मंगेशकर चौक तक मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इन अधिकारियों ने सुरक्षा,यातायात और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया।इस दौरान एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने परिक्रमा में आए हुए श्रद्धालुओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो तथा आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार के असुविधा का सामना न करना पड़े इसके लिए परिक्रमा मार्ग सहित प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से मेला क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारी भी लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं।श्रद्धालुओं की सहायता के लिए मेला क्षेत्र में खोया–पाया केंद्र स्थापित किया गया है।वहीं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए लगातार आवश्यक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं।इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को परिक्रमा मार्ग, सुरक्षा उपायों और जरूरी दिशा–निर्देशों की जानकारी दी जा रही थी।

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने लगभग 6 घंटे 30 मिनट में पूर्ण की चौदह कोसी परिक्रमा

सहादतगंज हनुमानगढ़ी से किया परिक्रमा का शुभारंभ, परिक्रमा के साथ व्यवस्थाओं का भी लिया जायजा



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मंडलायुक्त राजेश कुमार ने अयोध्या की प्रसिद्ध चौदह कोसी परिक्रमा पूरी श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ लगभग 6 घंटे 30 मिनट में पूर्ण की।उन्होंने सहादतगंज स्थित हनुमानगढ़ी से परिक्रमा का शुभारंभ किया तथा निर्धारित परिक्रमा मार्ग से होते हुए अपनी यात्रा पूरी की।परिक्रमा के दौरान मंडलायुक्त ने विभिन्न स्थलों पर रुककर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी स्थलीय निरीक्षण किया।उन्होंने ने श्रद्धालुओं से संवाद भी किया।उन्होंने परिक्रमा मार्ग पर साफ–सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं निरंतर चुस्त–दुरुस्त रखी जाएं, जिससे परिक्रमा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इस मौके पर मंडलायुक्त ने कहा कि अयोध्या की चौदह कोसी परिक्रमा सनातन आस्था, श्रद्धा एवं समृद्ध धार्मिक परंपरा का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर देश–प्रदेश के लाखों श्रद्धालु प्रभु श्रीराम की नगरी की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना जिला एवं मंडल प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गो तस्करी के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से घायलय साथी फरार

गोरखपुर, (संवाददाता)। भलुअनी थाना क्षेत्र के बेलडाड रोड पर पुलिस और गो तस्करी के आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि भलुअनी थाने में दर्ज गो तस्करी की एफआईआर में बिहार के गोपालगंज जिले के विजयीपुर थाना क्षेत्र के जगवलिया निवासी 20 वर्षीय हेमराज यादव वांछित था। सोमवार को सूचना मिली कि वह सुरौली थाना क्षेत्र के वेदाचक शीतलपुरी निवासी जैसराज यादव के साथ मोटरसाइकिल से पकड़ी बाजार से नकदह फुलवरिया होते हुए बेलडाड रोड की ओर जा रहा है। सूचना पर भलुअनी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि इसी दौरान एक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में हेमराज के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जबकि जैसराज फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा, कारतूस और 315 बोर का कारतूस का खोखा बरामद किया। हेमराज के खिलाफ भटनी और भलुअनी थानों में पहले से गो तस्करी समेत अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज हैं। पुलिस टीम पर फायरिंग और अवैध हथियार रखने के आरोप में भलुअनी थाने में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है। गो तस्करी के मामले में वांछित हेमराज यादव को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लगी है। घायल आरोपी का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

झालर उतारते समय 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आए पति-पत्नी, दोनों की मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। कोठीभार थाना क्षेत्र के कैमा गांव में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। घर पर लगी झालर उतारते समय 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से पति–पत्नी की मौत हो गई, जबकि उनकी 16 वर्षीय बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे में राम आधारे गौंड (40) और उनकी पत्नी पुष्पा देवी (38) गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन तीनों को तत्काल सीएचसी निचलौल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पति–पत्नी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बेटी गोल्डी की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद गांव में चीख–पुकार मच गई। आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

स्वास्थ्य केंद्रों की जमीनी हकीकत परखी, चार दिवसीय निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा



अयोध्या।जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और स्वास्थ्य केंद्रों की जमीनी हकीकत परखने के लिए राज्य स्वास्थ्य मिशन (स्टेट रिव्यू मिशन) की टीम ने चार दिवसीय सघन निरीक्षण अभियान चलाया।देवीपाटन मंडल के जनपद बलरामपुर से आए एसीएमओ आरसीएच डॉ. ब्रजेश प्रताप सिंह एवं जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता डॉ. विनोद त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का औचक निरीक्षण किया।14 से 17 नवंबर तक चले निरीक्षण के दौरान टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पहुंचकर चिकित्सीय सुविधाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ–सफाई और ओपीडी संचालन की स्थिति परखी। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध संसाधनों और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। टीम के इस निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करना रहा।

'प्याज की नर्सरी से किसानों की बदली तकदीर, रामसुख उर्फ कल्लू बने 'किसान किंग'



ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। मेहनत, अनुभव और खेती के प्रति लगन हो तो खेती–किसानी भी रोजगार का बेहतर जरिया बन सकती है। इसकी मिसाल बल्दीराय तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौरा बरामऊ निवासी रामसुख उर्फ कल्लू पेश कर रहे हैं। पिछले 25 से 30 वर्षों से प्याज की नर्सरी तैयार करने के काम में जुटे रामसुख आज क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। उनके अनुभव और खेती की तकनीक से प्रेरित होकर गांव और आसपास के कई किसान भी प्याज की नर्सरी तैयार करने लगे हैं। रामसुख की पहल से गौरा बरामऊ क्षेत्र में प्याज की बेरन (पौध) तैयार करने का काम बड़े पैमाने पर फैल चुका है। गांव में सैकड़ों बीघे जमीन पर प्याज की बेरन की खेती हो रही है। खास बात यह है कि किसान अपनी खेती के साथ इस काम को अपनाकर आमदनी का अतिरिक्त साधन बना रहे हैं। रामसुख की तकनीक और अनुभव से सीख लेकर अनेक परिवारों ने इसे अपनी आजीविका का बेहतर माध्यम बना लिया है। रामसुख का कहना है कि पहले की अपेक्षा अब खेती करना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। आवारा पशु और जंगली जानवर किसानों के लिए बड़ी समस्या बन चुके हैं। नीलगाय और छुट्टा पशु आए दिन फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। फसल बचाने के लिए किसानों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है और मुनाफा कम होता जा रहा है। उन्होंने शासन–प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं और नीलगाय से फसलों को बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यदि किसानों को इस समस्या से राहत मिलती है तो खेती की लागत कम होगी और किसान अपनी मेहनत का बेहतर लाभ प्राप्त कर सकेंगे। रामसुख उर्फ कल्लू का मानना है कि किसानों को नई तकनीक अपनाने के साथ–साथ एक–दूसरे के अनुभव से भी सीखना चाहिए। उनका वर्षों का अनुभव आज गांव के दूसरे किसानों के लिए प्रेरणा बन रहा है। इसी वजह से क्षेत्र में लोग उन्हें सम्मान से 'किसान किंग' के नाम से पहचानने लगे हैं।

भरतकुण्ड महोत्सव में आयोजित हुआ खाकी सम्मान



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।त्याग, तपस्या और प्रेम की मूर्ति योगिराज भरत जी की तपोभूमि अयोध्या के नंदीग्राम में आयोजित 28वें भरतकुंड महोत्सव में 17 नवम्बर 2026 को शाम 7 बजे आयोजित खाकी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि अनुपम पाण्डेय और रामकृष्ण पाण्डेय के कर कमलों से सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर खाकी सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। अयोध्या से मंडलाधिकारी विशेष शाखा श्री अनिरुद्ध सिंह, गोण्डा जनपद में नियुक्त उपनिरीक्षक धर्मराज शर्मा, बाराबंकी जनपद में नियुक्त आरक्षी राम नरेश आरोही, अयोध्या में नियुक्त महिला आरक्षी कविता पटेल, आरक्षी राहुल यादव और आरक्षी चंद्रेश भारद्वाज को किया गया सम्मानित। खाकी वाले गुरूजी के नाम से प्रसिद्ध उपनिरीक्षक रणजीत यादव ने मंच संचालन करते हुए महोत्सव समिति के अध्यक्ष अंजनी कुमार पाण्डेय और सचिव अम्बरीष चंद्र पांडेय का धन्यवान ज्ञापित करते हुए कहा कि ष्भरतकुंड महोत्सव आयोजन में सम्मान प्रभारी का दायित्व मिलना मेरे लिए गर्व की अनुभूति है, सम्मान मिलने से अच्छा कार्य करने वाले लोगों में नई ऊर्जा और नव प्रेरणा का संचार हो जाता है!ष

निलंबित स्टाफ नर्सों की बहाली का सौदा, बलिया में 22 स्टाफ नर्सों से 23 लाख रुपये वसूलने का आरोप

वाराणसी, (संवाददाता)। बलिया में स्वास्थ्य विभाग में निलंबित स्टाफ नर्सों की बहाली कराने के नाम पर कथित वसूली का मामला सामने आने से विभाग में हलचल मच गई है। विभाग के वरिष्ठ लिपिक दयाशंकर वर्मा उर्फ दया बाबू पर 22 स्टाफ नर्सों से करीब 23 लाख रुपये लेने का आरोप लगा है। इस संबंध में एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। लखनऊ निवासी शिकायतकर्ता का आरोप है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी तक रकम पहुंचाने और निलंबन समाप्त कराने का भरोसा देकर यह धनराशि ली गई थी। एक माह से अधिक समय बीतने के बावजूद न तो कर्मचारियों की बहाली हुई और न ही कथित तौर पर ली गई रकम वापस की गई। शिकायत के मुताबिक, कर्मचारियों से अलग–अलग किस्तों में रुपये लिए गए। लखनऊ के एक होटल में पांच लाख रुपये देने का दावा किया गया है, जबकि करीब 15 लाख रुपये दया बाबू की गाड़ी में मौजूद उनके एक कर्मचारी को सौंपने का आरोप है। शिकायत में उक्त कर्मचारी के खाना बनाने का काम करने का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा एक अन्य कर्मचारी से पांच लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि इस तरह कुल 22 कर्मचारियों से करीब 23 लाख रुपये वसूले गए। आरोप है कि रकम लेने के दौरान कर्मचारियों को सीएमओ से बातचीत कर उनका निलंबन समाप्त कराने का आश्वासन दिया गया था। निर्धारित समय में काम नहीं होने पर जब कर्मचारियों ने अपनी रकम वापस मांगी तो कथित तौर पर टालमटोल की जाने लगी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि दयाशंकर वर्मा अलग–अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करते हैं और रकम लेने के बाद संबंधित नंबर बंद कर दिए जाते हैं या बदल दिए जाते हैं। इस मामले का एक और पहलू यह है कि वरिष्ठ लिपिक दयाशंकर वर्मा नवंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। ऐसे में शिकायतकर्ताओं को आशंका है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उनकी रकम वापस मिलना मुश्किल हो सकता है। वरिष्ठ लिपिक दयाशंकर वर्मा ने स्टाफ नर्सों की बहाली के नाम पर रुपये लेने के आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि एआई की मदद से वीडियो तैयार कर उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, मोबाइल पर बात करते समय हुआ हादसा'

'ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर'। नगर कोतवाली क्षेत्र के बल्लीपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उमेश निषाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक रेलवे ट्रैक पर मोबाइल से बात करते समय ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की पड़ताल में जुटी हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है !!

'यातायात माह के अंतर्गत डग्गामारी एवं बिना परमिट सवारी ढोने वाले वाहनों के विरुद्ध पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 16 वाहन सीज एवं ₹1,83,000 का शमन शुल्क आरोपित।'

'ब्यूरो चीफ – आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर'। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह तथा क्षेत्राधिकारी नगर एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात माह के अंतर्गत आज यातायात पुलिस एवं थाना कोतवाली नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अमहट एवं पयागीपुर क्षेत्र में बिना परमिट सवारी बैठाकर संचालित किए जा रहे वाहनों तथा डग्गामारी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से सवारी ढोने वाले कुल 16 वाहनों को सीज किया गया तथा रू1,83,000 का शमन शुल्क आरोपित किया गया।यातायात माह के अंतर्गत जनपद में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने, अवैध रूप से संचालित वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा इस प्रकार की प्रवर्तनात्मक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' आगामी 2 दिसंबर को अयोध्या से पूर्वांचल में चुनावी अभियान की करेंगी शुरुवात

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्रीराम की नगरी अयोध्या से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' आगामी 2 दिसंबर को अयोध्या से पूर्वांचल में चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगी।इस दौरान वह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन करेंगी।इसके बाद आयोजित विशाल जनचौपाल को संबोधित कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन से संवाद करेंगी।प्रदेश अध्यक्ष के प्रस्तावित दौरे को सफल बनाने के लिए कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।इसी क्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त अयोध्या पहुंचे।उन्होंने कमला नेहरू भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में अयोध्या और अंबेडकरनगर के पार्टी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह तथा संचालन महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने किया।राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अपने चुनावी अभियान की शुरुआत अयोध्या से करने जा रही हैं।यह संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और जनचौपाल में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें।जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का अयोध्या में प्रथम आगमन कांग्रेसजनों के लिए गौरव का विषय है। उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।वहीं अंबेडकरनगर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है।जनपद से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचेंगे।महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि अयोध्या से चुनावी अभियान की शुरुआत होने से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा।बैठक में अशोक सिंह, राजेंद्र प्रताप सिंह, रामदास वर्मा, करमराज यादव, अजय सिंह कप्तान, अमित जायसवाल, मोहम्मद अनीस, उग्रसेन मिश्रा, अनिल तिवारी, रुद्र प्रताप सिंह रिशु, विजयपाल सिंह, रामकिशोर वर्मा, संतोष तिवारी, राजेंद्र प्रसाद, दिलीप गौड़, प्रशांत पांडेय, अनिल सिंह, रमाशंकर तिवारी, रविंद्र कुमार, अश्वनी सिंह मधुर, रेनू राय, राम आशीष तिवारी, विकास सिंह विक्की, राज प्रताप सिंह, मनोज जायसवाल, राम अवध पासी, हृदय नारायण मिश्रा, राम सागर रावत, मोहम्मद आमिर, भोला भारती, अहमद कुरैशी, दिनेश शुक्ला, महिपाल सिंह और धर्मेंद्र सिंह फास्टर सहित अन्य कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद रहे।

'जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनीं 82 शिकायतें, संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।